>

Title :Need to provide security measures to the people in Railway Stations.

श्री गोरखनाथ पाण्डेय (भदोही):सभापति महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया, उसके लिए मैं आपका आभारी हूं। मैं आपके माध्यम से एक बहुत ही महत्वपूर्ण विषय की ओर सदन और माननीय मंत्री जी का ध्यान आकर्षित करना चाहूंगा। आज पूरे देश में अपराधियों की जो गतिविधियां हैं, वे सक्रिय हो गयी हैं। उन्हें इस समय सबसे उपयुक्त स्थल रेलवे स्टेशन या रेलगाड़ियां दिखाई पड़ रही हैं। मैं मंत्री जी का ध्यान आकर्षित करना चाहूंगा कि 22/23 यानी परसों मैं अपने क्षेत्र से सदन में आने के लिए नई दिल्ली के लिए निकला, तो उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद रेलवे जंक्शन से पहले मेरे पीछे कई बदमाश दो-तीन गाड़ियों मे चले। मुझे नहीं पता था कि उनकी मंशा क्या है? मैं ज्यों ही रेलवे स्टेशन पर पहुंचकर अंदर जाने को हुआ, मुझे लगा कि मेरे पीछे कुछ बदमाश लगे हुए हैं जिनका उद्देश्य हत्या करना है, क्योंकि इससे पहले अखबारों से सूचनाएं मिली हैं कि उत्तर प्रदेश में दो कैबिनेट मंत्री हैं तथा जिनमें हमारा नाम भी शामिल किया गया है, हत्या करने की साजिश कोई और नहीं सपा के एक नामजद विधायक और ढाई लाख का इनामी, जो पकड़ा गया है, वह मेरे सगे भाई का हत्यारा है। ऐसी सूचनाएँ प्राप्त होने पर मैं सतर्क भी रहता था, लेकिन बड़े दुख के साथ कहना चाहता हूं कि आज इस देश की जो स्थितियां हैं, उसमें हम जैसे लोग असुरक्षित हैं। मैंने गाड़ी में ही आधे घंटे तक बैठकर जीआरपी, डीजी और एसएसपी इलाहाबाद को फोन किया तब जाकर फोर्स आयी। उसके बाद मैं गाड़ी से उतर पाया।

मैं आपके माध्यम से निवेदन करना चाहूंगा कि सपा विधायक श्री विजय मिश्रा, उसका भतीजा मनीष मिश्रा और उसके पांच अन्य अपराधी, जिनके बारे में मैंने जीआरपी, इंसपेक्टर और पुलिस को लिखकर दिया। आज स्थितियां बहुत विचित्र हैं। अगर ऐसी स्थिति बनेगी, तो हमारे जैसे लोगों को सदन आने में विलम्ब होगा। दुंतो ट्रेन जिससे मेरा रिजर्वेशन था, उसे हमें मजबूरी में छोड़ना पड़ा। मैं दूसरी ट्रेन से आया। मेरा सदन में पहला प्रश्न था, लेकिन संयोग से सदन नहीं चल पाया।

मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करना चाहता हूं कि इस तरह से जो रेलवे ट्रैक ट्रेन में चाहे दीन दयाल जी की हत्या हुई हो या अन्य बहुत सारे लोगों की हत्याएं हुई हों, स्टेशनों पर हत्याएं हो रही हैं, रेप हो रहा है, लूट हो रही है। ऐसे प्रकरण पर तुंत अंकुश लगाया जाये और हम जैसे लोगों की सुरक्षा की विशेष व्यवस्था की जाये। मैं आपके माध्यम से सदन और माननीय मंत्री जी से यह मांग करता हूं। धन्यवाद।

MR. CHAIRMAN : Now the House stands adjourned till 11.00 a.m. tomorrow.

18.46 hrs.

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock

on Friday, February 25, 2011/Phalguna 6, 1932 (Saka).

---

* The sign + marked above the name of a Member indicates that the Question was actually asked on the floor of the House by that Member.

* Not recorded

* Speech was laid on the Table

* Not recorded

* Not recorded

* Not recorded

* Not recorded

* Not recorded

* Not recorded

* Not recorded

* Not recorded

* Not recorded

* Not recorded

* Not recorded

* Not recorded

* Not recorded

* Not recorded

* Not recorded as ordered by the Chair

* English translation of the speech originally delivered in Bengali

* Not recorded